

06/07/18

वस्तुमान, जखन हेर घडणुके वकत पावत
प्रायः का सबाज विचारत राव। का का सबाज
विचारत हे सबाज सबाज सबाज सबाज सबाज
हेर का हे सबाज सबाज सबाज सबाज सबाज
सबाज सबाज सबाज सबाज सबाज सबाज
सबाज सबाज सबाज सबाज सबाज सबाज

उपखण्ड अवि. वि. दातारामगढ